

प्रिलमिस फैक्ट्स: 22 अगस्त, 2018

कैनाइन डसिंटेपर वायरस

हाल ही में असम के एक चड़ियाघर में कैनाइन डसिंटेपर वायरस के कारण कम-से-कम आठ सयारों की मौत हो गई। उल्लेखनीय है कि अब से कुछ समय पूर्व तक इस चड़ियाघर में सयारों की संख्या 18 थी।

कैनाइन डसिंटेपर

- कैनाइन डसिंटेपर एक वायरस है जो कुत्ते के श्वसन, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल, श्वसन के साथ-साथ और केंद्रीय तंत्रिका तंत्र और आँखों को भी प्रभावित करता है।
- मूत्र, रक्त या लार के साथ सीधे संपर्क के माध्यम से यह वायरस एक कुत्ते से दूसरे कुत्ते तक जाता है।
- कैनाइन डसिंटेपर पहली बार यूरोप के स्पेन में 1761 में सामने आया।
- कैनाइन डसिंटेपर के खिलाफ पहला टीका इटली के पंटोनी (Puntoni) ने विकसित किया था।

'लीज़न ऑफ मेरिट' पुरस्कार

पूर्व सेना प्रमुख जनरल दलबीर सहि सुहाग को संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिष्ठित पुरस्कार 'लीज़न ऑफ मेरिट' से सम्मानित किया गया है। उल्लेखनीय है कि पूर्व सेना प्रमुख को यह पुरस्कार अगस्त 2014 से दिसंबर 2016 तक सेना प्रमुख के रूप में असाधारण सेवा के लिये प्रदान किया गया है।

- अमेरिकी सरकार ने इस पुरस्कार के लिये दलबीर सहि सुहाग के नाम की घोषणा मार्च 2016 में ही की गई थी।
- सुहाग यह पुरस्कार पाने वाले दूसरे भारतीय हैं इससे पहले यह पुरस्कार भारत के राजेंद्र सहि जाडेजा को वर्ष 1946 में दिया गया था।
- जनरल दलबीर सहि सुहाग को दी गई ये उपाधि चार मुख्य उपाधियों का मशिरण है। इसमें डगिरी ऑफ चीफ कमांडर, डगिरी ऑफ कमांडर, डगिरी ऑफ ऑफिसर और डगिरी ऑफ लेगनियर शामिल हैं।
- लीज़न ऑफ मेरिट संयुक्त राज्य अमेरिका के सशस्त्र बलों का एक सैन्य पुरस्कार है जो उत्कृष्ट सेवाओं और उपलब्धियों तथा असाधारण आचरण के लिये दिया जाता है।

तरुवनंतपुरम में एक महीने के भीतर चक्रवात चेतावनी केंद्र की स्थापना

- केरल और कर्नाटक के समुद्र तटों पर हाल के दिनों में उष्णकटिबंधीय चक्रवातों और उनसे होने वाली गंभीर मौसमीय घटनाओं को देखते हुए केंद्रीय वजिज्ञान मंत्रालय ने तरुवनंतपुरम में एक चक्रवात चेतावनी केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है।
- मंत्रालय अगले एक महीने के भीतर इस केंद्र को स्थापित करने की योजना बना रहा है। वर्तमान में भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के पास केवल चेन्नई, विशाखापत्तनम, भुवनेश्वर, कोलकाता, अहमदाबाद और मुंबई में चक्रवात चेतावनी केंद्र हैं।
- इससे केंद्र सरकार केरल और कर्नाटक की ज़रूरतों को पूरा करेगी और सभी राज्यों को मौसम की चेतावनियों तथा तटीय बुलेटिन (मछुआरों आदिके लिये) जारी करने के लिये पूर्वानुमान उपकरण सहित सभी बुनियादी सुविधाएँ मुहैया कराएगी।
- इस कदम से भारतीय मौसम विभाग के केरल में स्थिति वर्तमान पूर्वानुमान गतिविधियों को और मज़बूती मिलेगी।
- मंत्रालय वर्ष 2019 के अंत तक मैंगलोर में भी एक और सी-बैंड डोप्लर मौसम राडार स्थापित करने की योजना बना रहा है, जो केरल के उत्तरी हिस्सों को कवर करेगा।
- वर्तमान में केरल में दो डोप्लर मौसम राडार हैं जिनमें एक कोच्चि और दूसरा तरुवनंतपुरम में स्थिति है।

'पाणिनी भाषा लैब' और 'अटल बहारी वाजपेयी टावर'

- वदलश ढंतीरी ने ढॉरीशस ढें ढहातुढा गलंधी संसुथलन (डुढकीआई) ढें 'डलणनल डलषल डुरडुगशलल' कल उदुघलटन कडलल ।
- डलरत सरकलर दुवलरल उडहलर ढें दी गई डह डुरडुगशलल, ढॉरीशस ढें डलरतीड डलषलओुु कुु डदुलने ढें डुढकीआई की ढदद करेगी ।
- डुरव डुरधलनढंतीरी अटल डहलरी वलकडेडी के नधलन के डलद ढॉरीशस के डुरसदुध 'सलइडर टुुवर' कल नलढ डदलकर 'अटल डहलरी वलकडेडी टलवर' कडलल गडल है ।
- डह घुषणल ढॉरीशस के डुरधलनढंतीरी डुरवदल कुुढलर कगननलथ ने की ।
- उलुलेखनीड है कल 11 वलशुव हदुदल सढुढेलेन 18-20 अगसुत, 2018 तक ढॉरीशस ढें आडुुकतल कडलल गडल ओुर इसी दुरलरन उडरडुकुत दुनुुु घुषणलडुु की गई ।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/prelims-fact-22-08-2018>

